

M. A. MARATHI SCHEME

Examination Scheme (CBCS)

Subject	Course Scheme			No. of credits	Examination Scheme					
	L	Tu tor ial	P		Maximum Marks			Minimum Passing Marks		
					ESE	IA	Total	ESE	IA	Total
Semester – I Session 2022 -2023 and onwards										
CORE – I Paper Code MAR 201 प्राचीन व मध्ययुगीन कविता	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
CORE – II Paper Code MAR 202 अर्वाचीन मराठी कविता	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
ELECTIVE P. 1 Paper Code MAR 203 प्राचीन मराठी गद्य	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
ELECTIVE P. 2 Paper Code MAR 204 लोकसाहित्य										
ELECTIVE P. 3 Paper Code MAR 205 मराठी वैचारिक साहित्य भाग – १	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
ELECTIVE P. 4 Paper Code MAR 206 आत्मचरित्र										
Semester - II										
CORE – I Paper Code MAR 207 वाङ्मयप्रकार – कथा	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
CORE – II Paper Code MAR 208 साहित्यशास्त्र	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
ELECTIVE P. 1 Paper Code MAR 209 लोकसाहित्य	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
ELECTIVE P. 2 Paper Code MAR 210 अर्वाचीन मराठी ललित गद्य										
ELECTIVE P. 3 Paper Code MAR 211 मराठी वैचारिक साहित्य भाग –२	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
ELECTIVE P. 4 Paper Code MAR 212 आत्मकथन										
Semester - III										
CORE – I Paper Code MAR 2013 वाङ्मयप्रकार – कादंबरी	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
CORE – II Paper Code MAR 214 भाषाविज्ञान	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
ELECTIVE P. 1 Paper Code MAR 215 नवे वाङ्मयप्रवाह – दलित साहित्य	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
ELECTIVE P. 2 Paper Code MAR 216 नवे वाङ्मयप्रवाह – ग्रामीण व आदिवासी साहित्य										
ELECTIVE P. 3 Paper Code MAR 217 नवे वाङ्मय प्रवाह – स्त्रियादी साहित्य	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
ELECTIVE P. 4 Paper Code MAR 218 नवे वाङ्मय प्रवाह – विज्ञान साहित्य										
Semester - IV										
CORE – I Paper Code MAR 219 वाङ्मयप्रकार – नाटक	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
CORE – II Paper Code MAR 220 संशोधनशास्त्र	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
ELECTIVE P.1 Paper Code MAR 221 प्राचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (आरंभधामून १८१८ पर्यंत)	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
ELECTIVE P. 2 Paper Code MAR 222 अर्वाचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (१८१९ – २०२०)										
ELECTIVE P. 3 Paper Code MAR 223 विशेष ग्रंथकार – संत तुकाराम	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
ELECTIVE P.4 Paper Code MAR 223 विशेष ग्रंथकार – राष्ट्रसंत तुकडोजी महायज										

NOTE – L = Lecture, T = Tutorial, P = Practical, ESE = End Semester Examination, IA = Internal Assessment, (Two Core Paper and Two Elective Paper) Others- Two Hours Per Week of Assignment/ Presentation of One Credit for each Paper is Prescribed in each semester.

(Handwritten signatures and marks)

Template For LOCF (Faculty of Humanities)

Name of the Program :- B.A.
 Name of the Semester :- Sem. I & II
 Name of the Subject :- Compulsory Marathi & Marathi Literature
 Unique Subject Course code :- 101-102, 107-108

Course Objectives

Objectives Number	Objectives
CO - 1	वैचारिक गद्य
CO - 2	ललित गद्य
CO - 3	कविता
CO - 4	भाषिक कौशल्य
CO - 5	कादंबरी
CO - 6	कथासंग्रह

Learning Outcome

Learning Outcome	Objectives
LO - 1	सामाजिक, सांस्कृतिक व बौद्धिक मूल्यांचे उपयोजन
LO - 2	विद्यार्थ्यांमध्ये जीवनमूल्यांचे संवेदनशील उपयोजन
LO - 3	विद्यार्थ्यांमध्ये सृजनशीलतेचे उपयोजन
LO - 4	भाषेचे भाषिक ज्ञान - शब्द महात्म्य
LO - 5 - 6	विद्यार्थ्यांमध्ये वाङ्मयीन अभिरूची निर्माण करणे

Mapping With Syllabus

Unites in Syllabus	CO	LO	Assessment
eg. Unit - 1	CO - 1	LO - 1 & 2	Unit test GD Etc.
Unit - 2	CO - 2	LO - 3 & 4	स्वाध्याय, गटचर्चा, भाषिक उपयोजन
Unit - 3	CO - 5	LO - 5	घटक चाचणी / सराव परीक्षा, स्वाध्याय
	CO - 6	LO - 6	घटक चाचणी / सराव परीक्षा, स्वाध्याय

Explanations :-

1. The Board may decide on as many Course objectives as they want to specify.
2. The Board may decide on as many learning outcomes they want to specify.
3. The Board is expected to identify and map the course objective and Learning Outcomes with the Unit wise syllabus of the course.
4. The Program means - B. A., B. Sc., B. Com. L. L. B. etc.
5. The Course means - Subject taught in all Semesters of the Program.
 Eg. English, Marathi, Geography, Political Science, History, Marathi Literature, English Literature, Hindi, Hindi Literature.

Handwritten signatures and initials in blue ink at the bottom of the page.

द्वितीय सुधारित प्रश्न

गोंडवाना विद्यापीठ, गडचिरोली

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२२-२०२३ पासून पुढे

एम. ए. भाग - १ सत्र - पहिले

Core Paper - 1 आवश्यक अभ्यासपत्रिका - १

Paper Code : MAR 201 - प्राचीन व मध्ययुगीन मराठी कविता

घटक - १ प्राचीन व मध्ययुगीन मराठी कवितेचे स्वरूप, उगम, विकास आणि वैशिष्ट्ये

घटक - २ प्राचीन व मध्ययुगीन मराठी कवितेचा रचनाप्रकार

अभंग, ओवी व श्लोक स्वरूप व वैशिष्ट्ये

घटक - ३ अभ्यासग्रंथ

अ) ज्ञानेश्वरी : अध्याय पहिला (महाराष्ट्र शासन प्रकाशित राजवाडे प्रत)

ब) संत जनाबाई व महदंबेचे धवळे : संपादक - सुहासिनी इलेंकर


घटक - ४ अभ्यासग्रंथ

अ) नलदमयंती स्वयंवर : रघुनाथ पंडित संपादक - अ. का. प्रियोळकर





ब) विव्स्ताचे यातनागीत : संपादक - वि. वा. प्रभुदेसाई

संदर्भग्रंथ -

- | | |
|--|--|
| १. महाराष्ट्र सारस्वत खंड - १ व २ | - वि. ल. भावे, सुधारित आवृत्ती शं. गो. तुळपुळे |
| २. प्राचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास खंड - १ ते ७ | - अ. ना. देशपांडे |
| ३. महाराष्ट्रातील पाच संप्रदाय | - पं. रा. मोकाशी |
| ४. प्राचीन मराठी वाङ्मयाचे स्वरूप | - ह. श्री. शेणोलीकर |
| ५. मराठी कविता : जुनी आणि नवी | - वा. ल. कुळकर्णी |
| ६. संत, पंत व तंत | - श्री. म. माटे |
| ७. प्राचीन मराठी कवीपंचक | - द. सी. पंगू |
| ८. मध्ययुगीन मराठी साहित्य : एक पुनर्विचार | - श्री. रं. कुळकर्णी |
| ९. प्राचीन मराठीची नवभारा | - रा. वि. ढेरे |



- | | |
|---------------------------------|-----------------------|
| १०. मराठी आख्यान कविता | - गं. व. ग्रामोपाध्ये |
| ११. पाच भक्तिसंप्रदाय | - र. रा. गोसावी |
| १२. महदंबेचे धवळे : संपादक | - मदन कुलकर्णी |
| १३. ख्रिस्ती मराठी वाङ्मय | - गंगाधर मोरजे |
| १४. महाकाव्य : स्वरूप व समीक्षा | - द. भि. कुलकर्णी |
| १५. दृष्टीपथ | - श्याम मोहरकर |
| १६. आनंदाचा डोह | - रा. ग. जाधव |

सिंह =    

द्वितीय सुधारित प्रत

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२२-२०२३ पासून पुढे

एम. ए. भाग - १ सत्र - पहिले

Core Paper - 2 आवश्यक अभ्यासपत्रिका - २

Paper Code : MAR 202 - अर्वाचीन मराठी कविता

घटक - १ अर्वाचीन मराठी कवितेची संकल्पना, प्रेरणा, उगम, स्वरूप, विकास आणि वैशिष्ट्ये

घटक - २ अभ्यासग्रंथ

अ) हरपले श्रेय (केशवसुतांची निवडक कविता) - संपादक - रा. श्री. जोग

ब) मर्हेकरांची कविता - वा. सी. मर्हेकर

घटक - ३ अभ्यासग्रंथ

अ) सनद - नारायण सुर्वे

ब) आणि शेवटी काय झाले? - लोकनाथ यशवंत

घटक - ४ अभ्यासग्रंथ

अ) पानझड - ना. धों. महानोर


ब) रान जखमांचे गोंदण - कुसूम अलाम

संदर्भग्रंथ -

- | | |
|---|------------------------------------|
| १. कविता : संकल्पना, निर्मिती आणि समीक्षा | - वसंत पाटणकर |
| २. मराठी कविता : स्वरूप आणि विवेचन | - निशिकांत ठकार |
| ३. मराठी कविता आणि आधुनिकता | - यशवंत मनोहर |
| ४. अर्वाचीन मराठी काव्यदर्शन | - अक्षयकुमार काळे |
| ५. कविता आणि प्रतिमा | - सुधीर रसाळ |
| ६. रसग्रहण : कला आणि स्वरूप | - गो. म. कुलकर्णी |
| ७. मराठी काव्याचे मानदंड भाग - १ व २ | - स. रा. गाडगीळ |
| ८. कवितेविषयी | - वसंत आवाजी डहाके |
| ९. केशवसुत समीक्षा | - संपा. नाडकर्णी / कामत व इतर |
| १०. निवडक मराठी समीक्षा | - गो. मा. पवार / म. द. हातकणंगलेकर |
| ११. स्वातंत्र्योत्तर मराठी कविता | - सुषमा करोगल |

(Handwritten signatures and marks)

- | | |
|---|-------------------------|
| १२. मर्हेकरांची कविता : एक अभ्यास | — धों. वि. देशपांडे |
| १३. मर्हेकरांची कविता : आकलन, आस्वाद आणि चिकित्सा | — अक्षयकुमार काळे |
| १४. मर्हेकरांची कविता : स्वरूप आणि संदर्भ खंड — १ व २ | — विजया राजाध्यक्ष |
| १५. दलित साहित्य : एक अभ्यास | — अर्जुन डांगळे |
| १६. दलित साहित्याचे निराळेपण | — प्रभाकर मांडे |
| १७. दलित कविता | — म. सु. पाटील |
| १८. दलित साहित्य : एक आकलन | — बाळकृष्ण कवडेकर |
| १९. शतकातील आदिवासी कविता | — विनायक तुमराम |
| २०. आदिवासी साहित्य : स्वरूप व समीक्षा | — विनायक तुमराम |
| २१. यशवंत कविता लोकनाथची | — संपा. मेघमाला मेश्राम |



द्वितीय सुधारित प्रत

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२२-२०२३ पासून पुढे

एम. ए. भाग - १ सत्र - पहिले

Elective Paper -1 ऐच्छिक अभ्यासपत्रिका - १

Paper Code : MAR 203 - प्राचीन मराठी गद्य

घटक - १ मराठी गद्य : संकल्पना, उगम, स्वरूप, विकास आणि वैशिष्ट्ये

घटक - २ अभ्यासग्रंथ

अ) गोविंदप्रभुचरित्र : संपादक - वि. भि. कोलते

घटक - ३ अभ्यासग्रंथ

अ) लीळाचरित्र एकांक : संपादक - मदन कुलकर्णी

ब) दृष्टांतपाठ : संपादक - वि. भि. कोलते

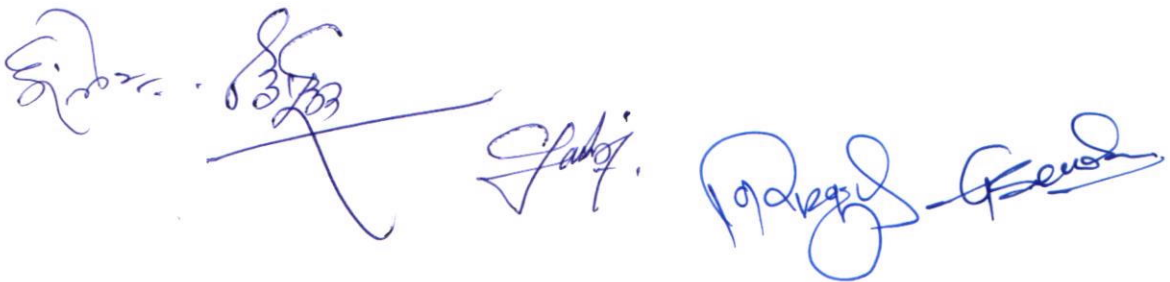
घटक - ४ अभ्यासग्रंथ

अ) सभासदाची बखर : संपादक - र. वि. हेरवाडकर

ब) आज्ञापत्र : संपादक - विलास खोले

संदर्भग्रंथ:

- | | |
|--|--------------------------------|
| १. प्राचीन मराठी गद्य : प्रेरणा व परंपरा | - श्री. रं. कुलकर्णी |
| २. महानुभाव पंथ आणि त्यांचे वाङ्मय | - शं. गो. तुळपुळे |
| ३. महानुभावीय मराठी वाङ्मय | - य. खु. देशपांडे |
| ४. महानुभाव साहित्य : शोधसंचार | - अविनाश आवलगावकर |
| ५. प्राचीन मराठीतील चरित्रलेखन | - वसंत बोरगावकर |
| ६. मराठी वाङ्मयकोश (आरंभापासून १९२०पर्यंत) | - संपा. वसंत आबाजी डहाके व इतर |
| ७. मराठी बखर वाङ्मय | - र. वि. हेरवाडकर |
| ८. बखर वाङ्मय : उद्गम आणि विकास | - बापुजी सकपाळ |
| ९. मराठी बखर गद्य | - गं. व. ग्रामोपाध्ये |
| १०. महानुभावांची अक्षरलेणी : संपादक | - राजेन्द्र वाटाणे |



द्वितीय सुधारित प्रश्न

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२२-२०२३ पाझून पुढे

एम. ए. भाग - १ सत्र - पहिले

Elective Paper - 2 ऐच्छिक अभ्यासपत्रिका - २

Paper Code : MAR 204 - लोकसाहित्य

घटक - १ लोकसाहित्य : संकल्पना, स्वरूप, उगम, परंपरा आणि वैशिष्ट्ये

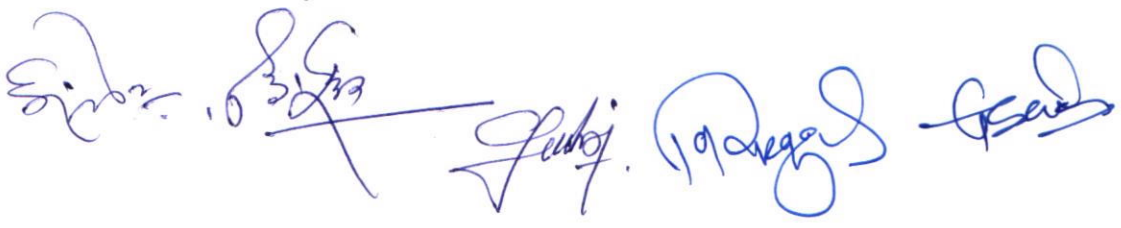
- लोकसाहित्याचे प्रयोजन
- लोकसाहित्य आणि संतसाहित्य
- लोकसाहित्य आणि ललितसाहित्य
- लोकसाहित्य आणि मानववंशशास्त्र
- लोकसाहित्य आणि मानसशास्त्र
- लोकसाहित्य आणि समाजशास्त्र
- लोकसाहित्य आणि भाषाशास्त्र

घटक - २ मौखिक व लिखित लोकसाहित्य

- अ) लोककथा : संकल्पना, प्रेरणा, स्वरूप व उत्पत्तीसंबंधी विचार
 - लोककथांचे वर्गीकरण, प्रकार व मौखिक परंपरा
 - लोककथा : परंपरा व परिवर्तन
- ब) लोकगीते : संकल्पना, स्वरूप, प्रेरणा, वर्गीकरण व मौखिक परंपरा
 - लोकगीते आणि बोलीभाषा
 - लोकगीतांची रचना व परंपरा
 - लोकगीतांचे विशेष आणि वाङ्मयीन मूल्ये
 - लोकगीते व संतकवींची कविता (ओवी, अभंग, भारूड, गवळणी)

घटक - ३ लोकसाहित्यातून आविष्कृत झालेले लोकजीवन

- लोकसाहित्यातून आविष्कृत झालेले समाजजीवन
- लोकसाहित्यातून व्यक्त होणारे स्त्रीजीवन
- लोकसाहित्य आणि लोकजीवन
- लोकसाहित्यातून घडणारे लोकसंस्कृतीचे दर्शन



घटक - ४ लोकसाहित्यातील आस्वाद्यता

लोकसाहित्यातील भाषा, प्रतिमा आणि संकेत

लोकसमजुतीचे वर्गीकरण

लोकसाहित्याची मूलतत्त्वे

लोकसाहित्याची व्यापकता व सर्वसमावेशकता

संदर्भग्रंथ -

- | | |
|--|----------------------------------|
| १. लोकसाहित्याचे स्वरूप | - प्रभाकर मांडे |
| २. लोकसाहित्य आणि लोकसंस्कृती | - सरोजिनी बाबर |
| ३. मराठी लोककथा: स्वरूपमीमांसा | - वैदेही कोळेकर |
| ४. लोकसाहित्याची रूपरेषा | - दुर्गा भागवत |
| ५. लोकप्रतिभा आणि लोकतत्त्वे | - मधुकर वाकोडे |
| ६. लोकसाहित्य : शोध आणि समीक्षा | - रा. चिं. ढेरे |
| ७. लोकसाहित्य : भाषा आणि संस्कृती | - सरोजिनी बाबर |
| ८. लोकसाहित्य : एक स्वतंत्र अभ्यासक्षेत्र | - गंगाधर मोरजे |
| ९. लोकसाहित्य: बदलते संदर्भ, बदलती रूपे | - गंगाधर मोरजे |
| १०. लोकवाङ्मयशास्त्र | - गंगाधर मोरजे. |
| ११. लोक साहित्यसंशोधन पद्धती | - अनिल सहस्त्रबुद्धे |
| १२. लोकसाहित्य दीप | - शरयु तायवाडे, राजेन्द्र वाटाणे |
| १३. लोकरंगभूमी | - प्रभाकर मांडे |
| १४. खडी गंमत : विदर्भाचे लोकलेणे | - डॉ. हरिशचंद्र बोरकर |
| १५. मराठीचे लोकनाट्य : तमाशा, कला आणि साहित्य | - डॉ. नामदेव व्हटकर |
| १६. संजोरी | - धनराज खानोरकर |
| १७. शब्दयोगी डॉ. हरिशचंद्र बोरकर समग्र साहित्य दर्शन | - नरेंद्र आरेकर |

द्वितीय सुधारित प्रश्न

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२२-२०२३ पासून पुढे

एम. ए. भाग - १ सत्र - पहिले

Elective Paper - 3 ऐच्छिक अभ्यासपत्रिका - ३

Paper Code: MAR 205 - मराठी वैचारिक साहित्य भाग - १

घटक - १ मराठी वैचारिक साहित्य : संकल्पना, स्वरूप, उगम, विकास आणि वैशिष्ट्ये

घटक - २ अभ्यासग्रंथ

अ) लोकहितवादींचे शतपत्रे - संपा. पु. ग. सहस्त्रबुद्धे (लेख क्र. १ ते १०)

ब) प्रबोधनाचा पूर्वर्ग : संपा. ल. रा. नसिराबादकर (प्रकरण, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८)

घटक - ३ अभ्यासग्रंथ

अ) लोकमान्य टिळक यांचे निवडक निबंध : संपादक - राम शेवाळकर (लेख क्र. १, ३, ५, ९, १०, ११, १२, १३)

ब) आगरकर लेखसंग्रह : संपादक - ग. प्र. प्रधान (विभाग २ व ३)

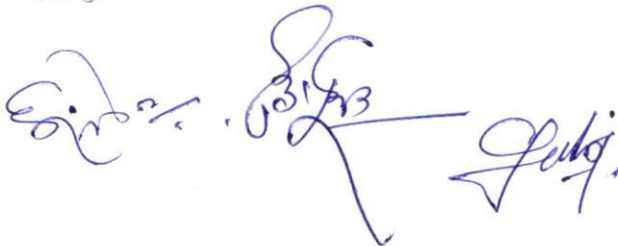
घटक - ४ अभ्यासग्रंथ

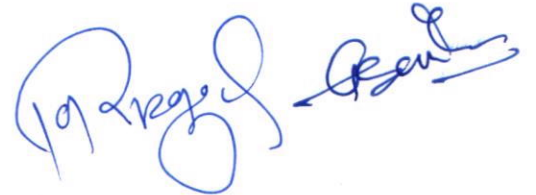
अ) स्त्री-पुरुष तुलना : संपा. - विलास खोले

ब) डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर यांचे बहिष्कृत भारतातील अग्रलेख : संपा. - रत्नाकर गणवीर (लेख क्र. १३ ते १९)

संदर्भग्रंथ -

- | | |
|---|---|
| १. निबंध : शास्त्र व कला | - प्र. न. जोशी |
| २. महात्मा फुले : शोधाच्या नव्या दिशा | - संपादक : हरी नरके |
| ३. महात्मा फुले : समग्र वाङ्मय - संपादक | - य. दी. फडके |
| ४. महात्मा फुले : व्यक्तित्व आणि विचार | - गं. बा. सरदार |
| ५. मराठी निबंध - लघुनिबंध : स्वरूप व विवेचन | - वि. पां. देउळगावकर/ चंद्रकांत देउळगावकर |
| ६. आधुनिक मराठी गद्याचा पायाभूत अभ्यास | - संपा. वासुदेव मुलाटे व इतर |
| ७. प्रदक्षिणा : खंड - १ व २ संपादक | - अनिरुद्ध कुळकर्णी |
| ८. आगरकरांचा सामाजिक तत्वविचार | - गं. बा. सरदार |
| ९. आगरकर | - य. दी. फडके |
| १०. सुर्यबिंबाचा शोध | - संपा. विलास खोले |
| ११. डॉ. आंबेडकरांचे समाजचिंतन | - भालचंद्र फडके |
| १२. फुले-आंबेडकर : शोध आणि बोध | - भालचंद्र फडके |





- १३. पत्रकार डॉ. आंबेडकर — गंगाधर पानतावणे
- १४. टिळक विचार — भा. कृ. केळकर
- १५. लोकमान्य टिळक — ग. प्र. प्रधान
- १६. कर्मयोगी लोकमान्य — सदानंद मोरे
- १७. वैचारिक निबंधाची परिक्रमा — विजया गेडाम
- १८. बहिष्कृत भारतातील विचारविश्व — विजया गेडाम
- १९. वेध : एका युगसाक्षी प्रतिभेचा (डॉ. यशवंत मनोहर गौरवग्रंथ) — अनमोल शेंडे



द्वितीय सुधारित प्रत

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२२-२०२३ पासून पुढे

एम. ए. भाग - १ सत्र - पहिले

Elective Paper - 4 ऐच्छिक अभ्यासपत्रिका - ४

Paper Code : MAR 206 - वाङ्मयप्रकार : आत्मचरित्र

घटक - १ आत्मचरित्र : एक वाङ्मय प्रकार - संकल्पना, स्वरूप, उगम, विकास आणि वैशिष्ट्ये

घटक - २ अभ्यासग्रंथ

अ) अग्नीपंख - डॉ. ए.पी. जे अब्दुल कलाम (अनुवादक : माधुरी शानभाग)

ब) मन में है विश्वास - विश्वास नांगरे पाटील

घटक - ३ अभ्यासग्रंथ

अ) मी वनवासी - सिंधूताई सपकाळ

ब) सांगत्ये ऐका - हंसा वाडकर

घटक - ४ अभ्यासग्रंथ

अ) बॅरिस्टरचं कार्ट - हिंमतराव बावस्कर

ब) प्रकाशवाटा - प्रकाश आमटे

संदर्भग्रंथ -

- | | |
|--|-------------------------|
| १. चरित्र-आत्मचरित्र | - सदा कन्हाडे |
| २. मराठीतील स्त्री आत्मचरित्र | - श्रुती वडगवाळकर |
| ३. आंबेडकरी स्वकथने | - अनिल सूर्या |
| ४. आमचा बाप आणि आम्ही | - संपा. शैलेश त्रिभुवन |
| ५. चरित्र - आत्मचरित्र | - अ. म. जोशी |
| ६. स्त्री आत्मकथन | - संपा. चंद्रकुमार नलगे |
| ७. चरित्र-आत्मचरित्र | - जान्हवी संत |
| ८. आत्मचरित्र मीमांसा | - आनंद यादव |
| ९. दलित स्त्री आत्मकथने | - श्यामल गरूड |
| १०. आंबेडकरवादी मराठी साहित्य | - मनोहर यशवंत |
| ११. साहित्यस्वाद | - त्रिभुवन शैलेश, |
| १२. ललित २०१३ चरित्र आत्मचरित्र विशेषांक | |

द्वितीय सुधारित प्रश्न

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२२-२०२३ पासून पुढे

एम. ए. भाग - १ सत्र - दुसरे

Core Paper - 1 आवश्यक अभ्यासपत्रिका - १

Paper Code : MAR 207 - वाङ्मयप्रकार : कथा

घटक - १ कथा : संकल्पना, स्वरूप, उगम, विकास आणि वैशिष्ट्ये

कथेचे रचनाप्रकार : लघुकथा व दीर्घकथा

कथेचे प्रकार : स्फूर्तकथा, बोधकथा, रूपककथा, प्राक्कथा, मिथक इत्यादी

घटक - २ अभ्यासग्रंथ

अ) काळी प्रती - व्यंकटेश माडगुळकर

ब) साजशक्ती - जी. ए. कुलकर्णी

घटक - ३ अभ्यासग्रंथ

अ) आलोक - आसाराम लोमटे

ब) मरणकळा - भास्कर चंदनशीव

घटक - ४ अभ्यासग्रंथ

अ) अकसिदीचे दाणे - प्रतिमा इंगोले

ब) चौथी भिंत - उर्मिला पवार

संदर्भग्रंथ -

- | | |
|-------------------------------------|---------------------------|
| १. मराठी कथा : स्वरूप आणि आस्वाद | - दा. वी. कुळकर्णी |
| २. वाङ्मयातील वादस्थळे | - वा. ल. कुळकर्णी |
| ३. साहित्य : स्वरूप आणि समीक्षा | - वा. ल. कुळकर्णी |
| ४. साहित्य शोध आणि बोध | - वा. ल. कुळकर्णी |
| ५. प्रदक्षिणा : खंड - १ व २ | - संपा. अनिरुध्द कुलकर्णी |
| ६. दलित साहित्य : वेदना आणि विद्रोह | - डॉ. भालचंद्र फडके |
| ७. दलित साहित्य : एक अभ्यास | - अर्जुन डांगळे |
| ८. ग्रामीण कथा : स्वरूप आणि विकास | - वासुदेव मुलाटे |
| ९. लघुकथा लेखन : मंत्र आणि तंत्र | - ना. सी. फडके |

१०. ग्रामीण साहित्य : स्वरूप आणि समस्या

- आनंद यादव

११. तिसऱ्या पिढीची ग्रामीण कथा

- आनंद यादव

१२. मराठी कथा : उगम आणि विकास

- इंदुमती शेवडे

Handwritten signatures in blue ink, including names like 'Anand Yadav' and 'Indumati Shevde'.

द्वितीय सुधारित प्रत

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक

क सत्र : २०२२-२०२३ पासून पुढे

एम. ए. भाग - १ सत्र - दुसरे

Core Paper - 2 आवश्यक अभ्यासपत्रिका - २

Paper Code : MAR 208 - साहित्यशास्त्र

घटक - १ साहित्यशास्त्राचे स्वरूप

साहित्यशास्त्र म्हणजे काय?

साहित्य म्हणजे काय?

साहित्याचे प्रयोजन

साहित्याची निर्मितीप्रक्रिया

साहित्याची आस्वादप्रक्रिया

घटक - २ पाश्चात्य साहित्यशास्त्राचे स्वरूप

अनुकृतीचा सिद्धांत

कॅथार्सिस

शैलीविज्ञान

फ्राईडची मानसशास्त्रीय समीक्षा

इमॅन्युअल कांट यांची सौंदर्यशास्त्रीय समीक्षा

माक्सवादी समीक्षा

घटक - ३ भारतीय साहित्यशास्त्र : रससंकल्पना आणि सिद्धांत

रसविचार, रसांची संख्या, रसनिष्पत्ती, रसविघ्ने

आनंदवर्धनाचा ध्वनीविचार (ध्वनी काव्याचा आत्मा)

वामनाचा रीतीविचार (रीतीरात्मा काव्यस्यः)

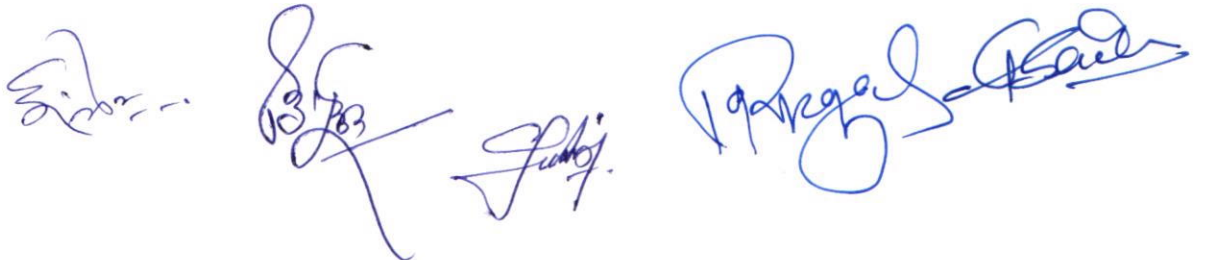
मराठीचे साहित्यशास्त्र

घटक - ४ अर्वाचीन साहित्य समीक्षा

महेंकरांचा सौंदर्यविचार, लयतत्व आणि बाइमयीन महात्मता

मुक्तिबोधांचा माणुषतेचा सिद्धांत

द. ग. गोडसे यांचा पोतविचार



आंबेडकरवादी समीक्षा

स्त्रीवादी समीक्षा

समाजशास्त्रीय समीक्षा

जीवनवादी समीक्षा

संदर्भग्रंथ -

- | | |
|---|-----------------------|
| १. अँरिस्टॉटलचे काव्यशास्त्र | - गो. वि. करंदीकर |
| २. सौंदर्यमीमांसा | - रा. भा. पाटणकर |
| ३. नवे साहित्यशास्त्र | - यशवंत मनोहर |
| ४. सौंदर्य आणि साहित्य | - बा. सी. मर्हेकर |
| ५. मराठीचे साहित्यशास्त्र | - मा. गो. देशमुख |
| ६. परंपरा आणि नवता | - गो. वि. करंदीकर |
| ७. सृष्टी, सौंदर्य आणि साहित्यमूल्ये | - शरच्चंद्र मुक्तिबोध |
| ८. पोत | - द. ग. गोडसे |
| ९. मर्हेकरांची सौंदर्यमीमांसा | - प्रभाकर पाध्ये |
| १०. साहित्यशास्त्र: स्वरूप आणि समस्या | - वसंत पाटणकर |
| ११. मर्हेकरांचे सौंदर्यशास्त्र: पुनःस्थापना | - द. भि. कुळकर्णी |
| १२. भारतीय साहित्यशास्त्र | - ग. त्र्यं. देशपांडे |
| १३. काव्यशास्त्रप्रदीप | - स. रा. गाडगीळ |
| १४. सौंदर्यानुभव | - प्रभाकर पाध्ये |
| १५. मुक्तीबोधांचे साहित्य | - वसंत पाटणकर |



द्वितीय सुधारित प्रश्न

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२२-२०२३ पासून पुढे

एम. ए. भाग - १ सत्र - दुसरे

Elective Paper - 1 ऐच्छिक अभ्यासपत्रिका - १

Paper Code : MAR 209 - लोकसाहित्य

घटक - १ मराठी लोकसाहित्य : परंपरा व स्वरूप

लोकसाहित्याच्या अभ्यासाची भारतीय परंपरा

प्राचीन परंपरा व आधुनिक काळातील प्रयत्न

मराठी लोकसाहित्याच्या अभ्यासाची परंपरा

लोकसाहित्य अभ्यासाच्या पद्धती : लोकतत्वीय अध्ययन पद्धती, आधिबंधात्मक अध्ययन पद्धती

घटक - २ लोकसाहित्याचे जागतिक अभ्यासक्षेत्र

लोकसाहित्याच्या अभ्यासाचे विविध संप्रदाय

लोकसाहित्याच्या अभ्यासाची वाटचाल व महत्त्व

लोकसाहित्याच्या अभ्यासकांचे संशोधन कार्य

१) दुर्गा भागवत, सरोजिनी बाबर, तारा भवाळकर

२) रा. चिं. ढेरे, प्रभाकर मांडे, शरद व्यवहारे

घटक - ३ लोकदैवते स्वरूप व प्रकार

लोकदैवते : श्रद्धा व परंपरा

लोकनाट्य : स्वरूप व परंपरा

लोकनाट्य : परंपरा व परिवर्तन

लोकनाट्य : वैशिष्ट्ये व वेगळेपण (लळीत, भजन, भागवतमेळा, नाटक, कीर्तन, भारूळ, प्रवचन, पुरान, लावणी,

दशावतार, बहुरूपी)

घटक - ४ झाडीपट्टीतील लोकशाहीरांचे योगदान - कन्हैया नन्हू, गरिबा, मधू बान्ते, बुधा भेलावे,

परशराम परसोडीवाले, महादेव उरकुडे, अंबादास नागदेवे, कृष्णा हजारे, उत्तम शाहीर

झाडीपट्टीतील लोककला - दंडार, गोंधळ, खडी गंमत, डहाका, आंबेडकरी जलसे, तुंबडी, तमाशा

Handwritten signatures and dates in blue ink at the bottom of the page.

संदर्भग्रंथ —

- | | |
|---|----------------------------------|
| १. लोकरंगभूमी | — प्रभाकर मांडे |
| २. लोकरंजनाची पारंपरिक माध्यमे | — शरद व्यवहारे |
| ३. मराठी लोककथा | — मधुकर वाकोडे |
| ४. लोकप्रतिभा आणि लोकतत्वे | — मधुकर वाकोडे |
| ५. लोकनाट्याची परंपरा | — वि. कृ. जोशी |
| ६. लोकसाहित्य आणि लोकसंस्कृती | — सरोजीनी बाबर |
| ७. लोकनागर रंगभूमी | — तारा भवाळकर |
| ८. मराठीचे लोकनाट्य : तमाशा, कला आणि साहित्य | — नामदेव व्हटकर |
| ९. झाडीपट्टीची लोकरंगभूमी | — हरिश्चंद्र बोरकर |
| १०. झाडीपट्टीची दंडार | — हरिश्चंद्र बोरकर |
| ११. लुप्तप्राय लोकाविष्कार | — हरिश्चंद्र बोरकर |
| १२. खडीगंमत : विदर्भाचे लोकलेणे | — हरिश्चंद्र बोरकर |
| १३. मराठी तमाशा | — नामदेव व्हटकर |
| १४. लोककला | — धोंडीराम वाडकर |
| १५. लोकनाट्य : उद्गम आणि विकास | — पुरूषोत्तम काळभूत |
| १६. धर्म आणि लोकसाहित्य | — दुर्गा भागवत |
| १७. शब्दयोगी डॉ. हरिश्चंद्र बोरकर समग्र साहित्य दर्शन | — नरेंद्र आरेकर |
| १८. लोकसाहित्य दीप | — शरयु तायवाडे, राजेन्द्र वाटाणे |

डॉ. हरिश्चंद्र बोरकर

शरयु तायवाडे

द्वितीय सुधारित प्रश्न

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२२-२०२३ पासून पुढे

एम. ए. भाग - १ सत्र - दुसरे

Elective Paper - 2 ऐच्छिक अभ्यासपत्रिका - २

Paper Code: MAR 210 - अर्वाचीन मराठी ललित गद्य

घटक - १ अर्वाचीन मराठी ललित गद्य : संकल्पना, स्वरूप, उगम, विकास आणि वैशिष्ट्ये

घटक - २ अभ्यासग्रंथ - ललित लेखसंग्रह

अ) खेळीमेळी - रा. ग. जाधव

ब) चित्तस्पर्शा - शि. गो. देशपांडे

घटक - ३ अभ्यासग्रंथ

अ) स्पर्शाची पालवी - गो. वि. करंदीकर

ब) परिक्रमा - गंगाधर पाणतावणे

घटक - ४ अभ्यासग्रंथ

अ) पक्षी जाय दिगंतारा - मारुती चितमपल्ली

ब) वाच्याने हलते रान - ग्रेस

संदर्भग्रंथ -

- | | |
|---|--|
| १. आधुनिक मराठी गद्याचा पायाभूत अभ्यास | - संपा. वासुदेव मुलाटे व इतर |
| २. मराठी निबंध - लघुनिबंध : स्वरूप विवेचन | - वि. पां. देउळगावकर व चंद्रकांत देउळगावकर |
| ३. प्रदक्षिणा : खंड - १ व २ संपादक | - अनिरुध्द कुलकर्णी |
| ४. मराठी लघुनिबंधाचा इतिहास | - आनंद यादव |
| ५. अर्वाचीन मराठी गद्याची पूर्वपीठिका | - गं. बा. सरदार |

द्वितीय सुधारित प्रश्न

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२२-२०२३ फासून पुढे

एम. ए. भाग - १ सत्र - दुसरे

Elective Paper - 3 ऐच्छिक अभ्यासपत्रिका

Paper Code : MAR 211 - मराठी वैचारिक साहित्य भाग - २

घटक - १ मराठी वैचारिक साहित्य : संकल्पना, स्वरूप, उगम, विकास आणि वैशिष्ट्ये

घटक - २ अभ्यासग्रंथ

अ) प्रबोधनकार ठाकरे - समग्र वाङ्मय खंड - १ (प्रकरण १३, १४, १५, १६, १७, १८, २१)

ब) सावरकरांचे निवडक निबंध - संपा. प्र. न. जोशी

घटक - ३ अभ्यासग्रंथ-

अ) प्रबोधनातील पाऊलखुणा - गं. वा. सरदार

ब) संघर्ष आणि शहापण - नरेंद्र चपळगावकर

घटक - ४ अभ्यासग्रंथ

अ) भारताचे क्रांती संविधान - यशवंत मनोहर

ब) आदिवासी अस्मितेचा शोध - माधव सरकुडे

संदर्भग्रंथ -

- | | |
|--|--|
| १. निबंध : शास्त्र व कला | - प्र. न. जोशी |
| २. मराठी निबंध लघुनिबंध: स्वरूपविवेचन | - वि. पां. देउळगावकर व चंद्रकांत देउळगावकर |
| ३. प्रदक्षिणा : खंड - १ व २ संपादक | - अनिरुध्द कुलकर्णी |
| ४. मराठी लघुनिबंधाचा इतिहास | - आनंद यादव |
| ५. अर्वाचीन मराठी गद्याची पूर्वपीठिका | - गं. वा. सरदार |
| ६. आधुनिक मराठी गद्याचा पायाभूत अभ्यास | - संपा. वासुदेव मुलाटे व इतर |
| ७. डॉ. आंबेडकरांचे समाजचिंतन | - भालचंद्र फडके |
| ८. पत्रकार डॉ. आंबेडकर | - गंगाधर पानतावणे |
| ९. गंगाधर बाळकृष्ण सरदार | - हे. वी. इनामदार |
| १०. मराठी वैचारिक निबंधाची परिक्रमा | - विजया गेडाम |

११.

Handwritten signatures and marks at the bottom of the page.

द्वितीय सुधारित मसुदा

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२२ - २०२३ पासून पुढे

एम. ए. भाग - १ सत्र - दुसरे

Elective Paper - 4 ऐच्छिक अभ्यासपत्रिका - ४

Paper Code: MAR 212 - वाङ्मयप्रकार : आत्मकथन

घटक - १ आत्मकथन : संकल्पना, स्वरूप, उगम, विकास आणि वैशिष्ट्ये

घटक - २ अभ्यासग्रंथ

अ) उपरा - लक्ष्मण माने

ब) कोल्हाट्याचं पोर - किशोर शांताबाई काळे

घटक - ३ अभ्यासग्रंथ

अ) बाप्तिस्मा ते धर्मांतर - इसादास भडके

ब) आकांत - बाबाराव मडावी

घटक - ४ अभ्यासग्रंथ

अ) अंतःस्फोट - कुमुद पावडे

ब) मरणकळा - जनाबाई गिन्हे

संदर्भग्रंथ -

- | | |
|--|---|
| १. आंबेडकरवाद : तत्त्वे आणि व्यवहार | - रावसाहेब कसबे |
| २. आंबेडकरवाद | - रावसाहेब कसबे |
| ३. आठवणींचे पक्षी : एक चिकित्सक अभ्यास | - कमलाकर कांबळे |
| ४. दलित स्वकथने : साहित्यरूप | - आरती कुलकर्णी |
| ५. दलित आत्मकथने : चिंतन आणि चर्चा | - संपा. केदार रविंद्र, ढोले गोपाल |
| ६. दलित आत्मकथने भाषिक समाज : भाषा आणि भाषाव्यवहार | - संपत गायकवाड |
| ७. दलित स्त्री आत्मकथने | - श्यामल गरूड |
| ८. प्रवर्धित | - संपा. रंजित वानखेडे, मेघमाला मुश्राम, संजय लाटेलवार |
| ९. दलित स्त्रीच्या दुःखाची कहाणी | - विलास जाधव |
| १०. बाप्तिस्मा ते धर्मांतर : एक मन्वंतर | - संजय लाटेलवार |
| ११. डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर आणि दलित आत्मकथने | - संजय लाटेलवार |
| १२. घराणं तमासगिराचं | - शशिकांत तासगावकर |

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२३ - २०२४ पासून पुढे

एम. ए. भाग - २ सत्र - तिसरे

Core Paper - 1 आवश्यक अभ्यासपत्रिका - १

Paper Code: MAR 213 - वाङ्मयप्रकार : कादंबरी

घटक - १ कादंबरी : संकल्पना, स्वरूप, उगम, विकास आणि वैशिष्ट्ये

घटक - २ अभ्यासग्रंथ

अ) अमृतवेल - वि. स. खांडेकर

ब) अस्वस्थ नायक - उत्तम कांबळे

घटक - ३ अभ्यासग्रंथ

अ) पाचोळा - रा. रं. बोराडे

ब) मुन्नी - अरूणा सबाणे

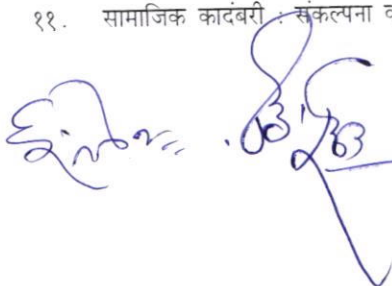
घटक - ४ अभ्यासग्रंथ


अ) फेसाटी - नवनाथ गोरे

ब) टिश्यु पेपर - रमेश रावळकर

संदर्भग्रंथ -

- | | |
|---|------------------------|
| १. धार आणि काठ | - नरहर कुरुंदकर |
| २. मराठी कादंबरी तंत्र आणि विकास | - बापट/गोडबोले |
| ३. कादंबरी | - ल. ग. जोग |
| ४. मराठी कादंबरीचे पहिले शतक | - कुसुमावती देशपांडे |
| ५. मराठी कादंबरीची वाटचाल | - संपा. पंडित कुलकर्णी |
| ६. ग्रामीण साहित्य : चिंतन आणि चर्चा | - वासुदेव मुलाटे |
| ७. ग्रामीण साहित्य : प्रेरणा व योजना | - श्रीराम गुंदेकर |
| ८. ग्रामीण साहित्य आणि संस्कृती | - मोहन पाटील |
| ९. मराठी ग्रामीण कादंबरी | - रविंद्र ठाकूर |
| १०. मराठी कादंबरी : नव्या दिशा | - किशोर सानप |
| ११. सामाजिक कादंबरी : संकल्पना व स्वरूप | - गणेश चुदरी |





एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२३ - २०२४ पासून पुढे

एम. ए. भाग - २ सत्र - तिसरे

Core Paper - 1 आवश्यक अभ्यासपत्रिका - २

Paper Code : MAR 214 - भाषाविज्ञान

घटक - १ भाषाविज्ञान : संकल्पना, मानवी भाषेचे स्वरूप, लक्षणे आणि वैशिष्ट्ये

मराठी भाषेचा उत्पत्तीकाल ठरविण्याची साधने

मराठी भाषेची पूर्वपीठिका

मराठीच्या भाषाशास्त्रीय अभ्यासाचा इतिहास

घटक - २ स्वनिमविन्यास : स्वन - स्वनिम - स्वनांतर, मराठीचा स्वनिमविचार

पदिमविन्यास : पद - पदिम - पदांतर, पदिमविन्यासाची प्रक्रिया

घटक - ३ मराठीचा ध्वनीविचार

मराठीचा अर्थविचार

मराठीचे कालिक भेद

मराठीचे प्रादेशिक भेद

घटक - ४ भाषाभ्यासाच्या पद्धती

अ) ऐतिहासिक पद्धती

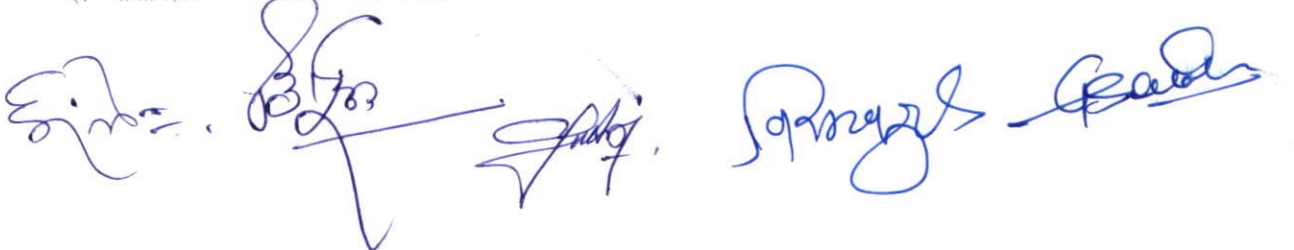
ब) वर्णनात्मक पद्धती

क) तौलनिक पद्धती

ड) मराठीच्या प्रमाणभाषा व बोली भाषा

संदर्भग्रंथ -

- | | |
|---|--|
| १. आधुनिक भाषाविज्ञान : सिद्धांत आणि उपयोजन | - मिलिंद मालशे |
| २. भाषा, इतिहास व भूगोल | - ना. गो. कालेलकर |
| ३. भाषा आणि भाषाशास्त्र | - श्री. न. गजेंद्रगडकर |
| ४. भाषाविज्ञान परिचय | - स. गं. मालशे, द. दि. पुंडे, अंजली सोमण |
| ५. आधुनिक भाषाविज्ञान (संरचनावादी, सामान्य आणि सामाजिक) | - कल्याण काळे, अंजली सोमण |
| ६. भाषाविज्ञान : वर्णनात्मक आणि ऐतिहासिक | - संपा. मालशे, इनामदार, सोमण |



७. मराठी भाषा : उद्गम आणि विकास
८. मराठीचे वर्णनात्मक भाषाविज्ञान
९. भाषाविज्ञान आणि मराठी भाषा
१०. भाषा आणि संस्कृती
११. झाडीबोली
१२. नागपूरी बोली
१३. चिंतनाचा समुद्र
१४. भाषाचिंतन

- कृ. पां. कुलकर्णी
- महेंद्र कदम
- अनिल गवळी
- ना. गो. कालेलकर
- हरिश्चंद्र बोरकर
- वसंतकृष्ण वऱ्हाडपांडे
- केशव देशमुख
- केशव देशमुख

७. मराठी भाषा : उद्गम आणि विकास
८. मराठीचे वर्णनात्मक भाषाविज्ञान
९. भाषाविज्ञान आणि मराठी भाषा
१०. भाषा आणि संस्कृती
११. झाडीबोली
१२. नागपूरी बोली
१३. चिंतनाचा समुद्र
१४. भाषाचिंतन

कृ. पां. कुलकर्णी
महेंद्र कदम
अनिल गवळी
ना. गो. कालेलकर
हरिश्चंद्र बोरकर
वसंतकृष्ण वऱ्हाडपांडे
केशव देशमुख
केशव देशमुख

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२३ - २०२४ पासून पुढे

एम. ए. भाग - २ सत्र - तिसरे

Elective Paper - 1 ऐच्छिक अभ्यासपत्रिका - १

Paper Code : MAR 215 - नवे वाङ्मयप्रवाह : दलित साहित्य

घटक - १ दलित साहित्य : संकल्पना, स्वरूप, उगम, विकास आणि वैशिष्ट्ये

दलित साहित्याची सामाजिक, सांस्कृतिक व राजकीय पार्श्वभूमी

घटक - २ अभ्यासग्रंथ

अ) सुरूंग (कवितासंग्रह) - त्र्यंबक सपकाळे

ब) फिर्दाद (कवितासंग्रह) - हिरा बन्सोडे

घटक - ३ अभ्यासग्रंथ

अ) पोखरण (कादंबरी) - केशव मेश्राम

ब) निळ्या डोळ्यांची मुलगी (कादंबरी) - शिल्पा कांबळे

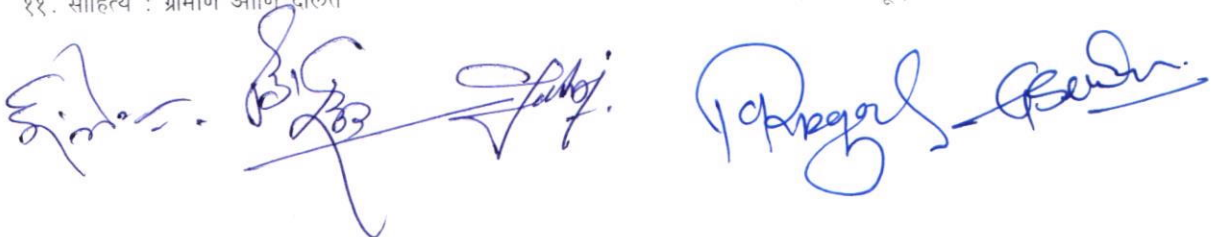
घटक - ४ अभ्यासग्रंथ

अ) वाटा-पळवाटा (नाटक) - दत्ता भगत

ब) अंधार पाहिलेला माणूस (नाटक) - सतिश पावडे

संदर्भग्रंथ -

- | | |
|---------------------------------------|---|
| १. दलित साहित्य : वेदना आणि विद्रोह | - भालचंद्र फडके |
| २. दलित साहित्य : सिध्दांत आणि स्वरूप | - यशवंत मनोहर |
| ३. दलित साहित्य : आजचे क्रांतीविज्ञान | - भालचंद्र फडके |
| ४. दलित कविता | - म. सु. पाटील |
| ५. निळी पहाट | - रा. ग. जाधव |
| ६. दलितांची आत्मकथने | - वासुदेव मुलाटे |
| ७. दलित रंगभूमी | - भालचंद्र फडके |
| ८. दलित कथा : उद्गम आणि विकास | - प्रकाश खरात |
| ९. दलित साहित्य : उद्गम आणि विकास | - योगेन्द्र मेश्राम |
| १०. आंबेडकरवादी मराठी साहित्य | - यशवंत मनोहर |
| ११. साहित्य : ग्रामीण आणि दलित | - संपा. नंदापूरे, निघोटे, वाटाणे, लांबट |



एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२३ - २०२४ पासून पुढे

एम. ए. भाग - २ सत्र - तिसरे

Elective Paper - 2 ऐच्छिक अभ्यासपत्रिका - २

Paper Code : MAR 216 - नवे वाङ्मयप्रवाह : ग्रामीण व आदिवासी साहित्य

घटक - १ ग्रामीण साहित्य : संकल्पना, स्वरूप, उगम, विकास आणि वैशिष्ट्ये

ग्रामीण साहित्याची सामाजिक, सांस्कृतिक व राजकीय पार्श्वभूमी

घटक - २ आदिवासी साहित्य : संकल्पना, स्वरूप, उगम, विकास आणि वैशिष्ट्ये

आदिवासी साहित्याची सामाजिक, सांस्कृतिक व राजकीय पार्श्वभूमी

घटक - ३ अभ्यासग्रंथ

अ) तहान (कादंबरी) - सदानंद देशमुख

ब) कोयतुर (कादंबरी) - विनोद कुमारे

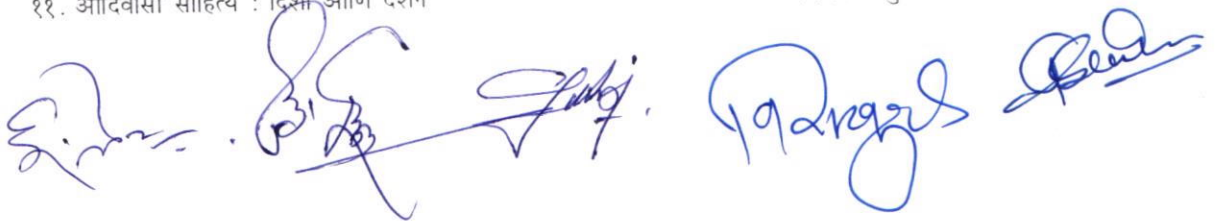
घटक - ४ अभ्यासग्रंथ

अ) काया मातीत मातीत (कवितासंग्रह) - विठ्ठल वाघ

ब) निवडुंगाला आलेली फुले (कवितासंग्रह) - प्रभु राजगडकर

संदर्भग्रंथ -

- | | |
|---|-----------------------------------|
| १. ग्रामीण साहित्य : स्वरूप आणि समस्या | - आनंद यादव |
| २. ग्रामीण साहित्य : स्वरूप आणि शोध | - नागनाथ कोतापल्ले |
| ३. ग्रामीण साहित्य : एक चिंतन | - द. ता. भोसले |
| ४. ग्रामीण वाङ्मयाचा इतिहास | - चंद्रकुमार नलगे |
| ५. मराठी प्रादेशिक कादंबरी : तंत्र आणि स्वरूप | - मदन कुळकर्णी |
| ६. आदिवासी साहित्य : स्वरूप आणि समस्या | - विनायक तुमराम |
| ७. वायदान | - आदिवासी साहित्य संमेलन विशेषांक |
| ८. आदिवासी साहित्य : चिंतन आणि चिकित्सा | - तुकाराम रोंगटे |
| ९. आदिवासी संस्कृती आणि चळवळ | - वाहरू सोनवणे |
| १०. आदिवासी साहित्य : एक अभ्यास | - ज्ञानेश्वर वालेकर |
| ११. आदिवासी साहित्य : दिग्गज आणि दर्शन | - विनायक तुमराम |



एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२३-२०२४ पासून पुढे

एम. ए. भाग - २ सत्र तिसरे

Elective Paper - 3 ऐच्छिक अभ्यासपत्रिका - ३

Paper Code : MAR 217 - नवे वाङ्मय प्रवाह : स्त्रीवादी साहित्य

घटक १: स्त्रीवादी साहित्यप्रवाह : संकल्पना , स्वरूप, उगम, विकास व वैशिष्ट्ये

स्त्रीवादी साहित्य : सामाजिक, सांस्कृतिक व राजकीय पार्श्वभूमी

घटक २- अभ्यासग्रंथ

अ) विदेही (कथासंग्रह) - विजया राजाध्यक्ष

ब) असंही... (कथासंग्रह) - प्रिया तेंडुलकर

घटक ३-अभ्यासग्रंथ

अ) दुस्तर हा घाट (कादंबरी) - गौरी देशपांडे

ब) भूमी - आशा बगे

घटक ४-अभ्यासग्रंथ

अ) पुन्हा दीर्घकविता (कवितासंग्रह) - रजनी परुळेकर

ब) धुळीचा आवाज - कविता महाजन

संदर्भग्रंथ -

१. स्त्री साहित्याचा मागोवा : खंड १,२ व ३ - संपादित (भारती विद्यापीठ अभिमत
विश्वविद्यालय व साहित्यप्रेमी भगिनी मंडळ) .
२. स्त्रीवादी समीक्षा : स्वरूप आणि उपयोजन - अश्विनी भोंगडे
३. १९६० नंतरची सामाजिक परिस्थिती व साहित्यातील नवे प्रवाह - आनंद यादव
४. आधुनिक मराठी कवयित्रीची कविता - रा. ग. जाधव
५. मराठी लेखिका : चिंता आणि चिंतन - भालचंद्र फडके
६. स्त्रीवाद - संपा. सुमती लांडे

